TITLE CODE : UPHIN50246

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

लोक पहल

शाहजहाँपुर, बुधवार 14 जून 2023 | शाहजहाँपुर से प्रकाशित | वर्ष :2, अंक :16 पृष्ठ :8, मूल्य 2 रुपये

युवाओं को 'रेटकार्ड' या 'सेफगार्ड' में से किसी एक को चुनना होगा : प्रधानमंत्री

भर्तियों में भाई–भतीजावाद खत्म, भ्रष्टाचार पर लगाई रोक, पीएम ने किया रोजगार मेले को सम्बोधित

नई दिल्ली एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पूर्व की सरकारों ने सरकारी नौकरियों में भाई–भतीजावाद की परंपरा को आगे बढ़ाकर देश के करोड़ो प्रतिभाशाली युवाओं के साथ विश्वासघात किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजनीतिक स्थिरता को देश के लिए जरूरी बताया और कहा कि ये दुनिया में बहुत मायने रखती है। अब भारत की पहचान एक दशक पहले की तुलना में ज्यादा स्थिर, ज्यादा सुरक्षित और ज्यादा मजबूत देश की है जबकि पिछली सरकारों की पहचान भ्रष्टाचार, योजनाओं में गड़बडी और जनता–जनार्दन के पैसे का दुरुपयोग करने की थी। हमने भर्तियों में भाई–भतीजावाद खत्म किया भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई।

नरेन्द्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राष्ट्रीय रोजगार मेले को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने देशभर के करीब 70 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र भी सौंपे। इन सभी को वित्त, डाक, स्कूल शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, रक्षा मंत्रालय, राजस्व विभाग, स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, रेल मंत्रालय, लेखा परीक्षण और लेखा विभाग, गृह मंत्रालय आदि विभिन्न और सरकारी विभागों में नियुक्ति दी गई है।

पीएम ने देशभर के करीब 43 स्थानों पर आयोजित इस रोजगार मेले को संबोधित करते हुए कहा कि आज भारत की पहचान उसके निर्णायक फैसलों, उसके आर्थिक और प्रगतिशील सामाजिक सुधारों से हो रही है। रोजगार अभियान भी पारदर्शिता और सुशासन दोनों का ही प्रमाण है। उन्होंने कहा कि परिवारवादी राजनीतिक दलों ने कैसे हर व्यवस्था में भाई–भतीजावाद को रोपा, यह पूरे देश ने देखा है। सरकारी नौकरी की जब भी बात आती थी तो उसमें इन परिवारवादी पार्टियों ने सिर्फ भाई–भतीजावाद, सिफारिश और भ्रष्टाचार को ही बढ़ावा दिया।

पीएम ने युवाओं से कहा कि दो चीजें आपके सामने हैं। एक तरफ रेट कार्ड वाली पार्टियां हैं जिन्होंने परिवारवाद, भाई–भतीजावाद और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार कर युवाओं की नौकरियों को लूटा है। दूसरी ओर हम युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए सेफगार्ड का काम कर रहे हैं। रेट कार्ड आपकी काबिलियत, सामर्थ्य और सपनों को चूर–चूर कर देते हैं। हम आपके सेफ गार्ड में लगे हैं, आपके सपनों के लिए जीते हैं। आपके संकल्पों को साकार करने के लिए काम करते हैं।

'संघ को जानो' कार्यक्रम के जरिए आरएसएस चलाएगा जन जागरण की मुहिम

लोक पहल

लखनऊ। लोकसभा चुनाव करीब आने के साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी तैयारियों पर धार देना शुरू कर दिया है। संघ समाज के हर जाति और हर वर्ग के लोगों के बीच जाकर जनजागरण की अपनी मुहिम को आगे बढ़ाने के लिए आरएसएस अपने समरसता कार्यक्रम को अपने शताब्दी वर्ष में और तेज करेगा। इसके लिए दलित बस्तियों और उन आदिवासी इलाकों का चयन किया जा रहा है जहां अभी तक संघ की पहुंच कम रही है। संघ की कोशिश उन जातियों को भी साथ लाने की है जिनके बीच अब तक काम नहीं हो पाया है।

लोकसभा चुनाव करीब है। ऐसे में संघ ने अपनी मुहिम को धार देने के लिए प्रचारकों में बदलाव भी शुरू कर दिया है. पूर्वी उत्तर प्रदेश में जहां संघ शिक्षा वर्ग के जरिए विस्तारकों की नई पौध तैयार की जा रही है। वहीं, अवध प्रांत के प्रचारकों में बड़ा फेरबदल किया गया है। अयोध्या, गोंडा और सीतापुर के प्रचारक सहित कई पदाधिकारी बदल दिए गए हैं।

जानकारी के मुताबिक अवध प्रांत में हुए प्रशिक्षण शिविर के बाद जिम्मेदारी बदली गई है। काशी प्रांत के कृष्णानंद को अयोध्या का विभाग प्रचारक बनाया गया है। कानपुर प्रांत से दीपेश को गोंडा और बाराबंकी के जिला प्रचारक अभिषेक को सीतापुर का विभाग प्रचारक नियुक्त किया गया है। लखनऊ पूर्व में कमलेश, पश्चिम में संदीप कुमार, उत्तर में सतीश और लखनऊ दक्षिण में अजीत को जिला प्रचारक बनाया गया है।

इसी तरह हरदोई में रविप्रकाश, सीतापुर में पंकज, बिसवां में सुरेंद्र, बहराइच में अजय और नानपारा में अजय को जिला प्रचारक की जिम्मेदारी सौंपी गई है. अवध प्रांत में जहां बदलाव हो गया है वहीं पूर्वी यूपी में संघ शिक्षा वर्ग के जरिए 2500 से अधिक स्वयंसेवकों को विस्तारक बनाया जा रहा है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में चल रहे पांच संघ शिक्षा वर्ग संपन्न होने के बाद विस्तारकों को जिम्मेदारी दी जाएगी।

ये विस्तारक अनुसूचित जाति और आदिवासी बस्तियों में पहुंचेंगे और वहाँ जन जागरण करेंगे। 'संघ को जानो' अभियान में संघ के सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी अभियान को इन जातियों के बीच पहुंचाने की जिम्मेदारी इन विस्तारकों की होगी। संघ के शताब्दी वर्ष के लिए जो कार्यक्रम तय लिए गए हैं ये उनका एक अहम हिस्सा है।

मिशन 2024 : कार्यसमिति में कांग्रेस कर सकती है बड़ा फेरबदल

लोक पहल

नई दिल्ली। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर सभी दलों ने तैयारियां शुरू कर दी है। मुख्य राजनीतिक दल कांग्रेस में भी लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर कई स्तर पर फेरबदल करने की सुगबुगाहट है। अगले साल होने जा रहे लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस कार्य समिति में बड़ा फेरबदल हो सकता है। इसमें नए सदस्यों की एंट्री के साथ और भी बदलाव किए जा सकते हैं। मौजूदा सीडब्ल्यूसी में कई विशेष आमंत्रितों और महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस जैसे फ्रंटल संगठनों के प्रमुखों के साथ–साथ 25 स्थाई आमंत्रित सदस्य हैं। इस साल फरवरी में रायपुर में हुए कांग्रेस के पूर्ण सत्र के दौरान कार्य समिति के सदस्यों के लिए चुनाव कराने के बजाय पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को सदस्यों को नामित करने की जिम्मेदारी दी गई थी।

कांग्रेस की कार्यसमिति में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिलाओं, युवाओं और अल्पसंख्यकों के लिए 50 फीसदी आरक्षण प्रदान करने के लिए पार्टी ने अपने संविधान में संशोधन किया था। पार्टी ने सीडब्ल्यूसी सदस्यों की संख्या भी 25 से बढ़ाकर 35 कर दी थी। कई वरिष्ठ नेताओं का ऐसा मानना है कि पार्टी में नई ऑक्सीजन भरने के लिए नए प्रतिभाओं को लाना जरूरी है। सूत्रों के अनुसार रमेश चेन्निथला, पूर्व दलित कांग्रेस प्रमुख नितिन राउत, राज्यसभा सांसद रंजीत रंजन,

कर्नाटक के वरिष्ठ नेता बीके हरिप्रसाद, पूर्व कैबिनेट मंत्री सुबोदकांत सहाय और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण जैसे नेताओं के नाम सीडब्ल्यूसी में शामिल करने वालों में सबसे आगे हैं। कांग्रेस का मानना है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में सहयोगी दलों के साथ बेहतर समन्वय और भारतीय जनता पार्टी को टक्कर देने के लिए ऐसे लोगों की जरूरत है, जिन्हें अपने इलाके की बेहतर राजनीतिक समझ हो।

सूत्रों के अनुसार महासचिव अविनाश पांडे, पंजाब के प्रभारी हरीश चौधरी, महाराष्ट्र के प्रभारी एचके पाटिल, बिहार के प्रभारी भक्त चरण दास और केरल के पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी को भी बदला जा सकता है और उनकी जगहों नए लोगों को जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। वहीं, पार्टी के संशोधित संविधान के अनुसार, कांग्रेस की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था में अब पार्टी के पूर्व प्रधानमंत्री और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रमुख शामिल होंगे। इसका मतलब है कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी भी नए सीडब्ल्यूसी का हिस्सा होंगे। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी के भी सीडब्ल्यूसी में बने रहने की संभावना है क्योंकि उन्हें 2024 के लोकसभा चुनावों तक पार्टी के लिए बड़े पैमाने पर प्रचार करने की उम्मीद है।

जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति 'दिशा' की बैठक संपन्न

सड़कों की मरम्मत होने के बाद ही संस्था को भुगतान किया जाए : सुरेश खन्ना

लोक पहल

शाहजहांपुर। सांसद अरूण कुमार सागर की अध्यक्षता में विकास भवन सभाकक्ष में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में सांसद ने जनपद में संचालित केन्द्रीय योजनाओं की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जन समस्याओं का बेहतर निस्तारण किया जाए।

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि मनरेगा योजना के तहत उपयोगी कार्य ही कराए जाएं। उन्होंने निर्बाध विद्युत आपूर्ति करने, व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण कराने के निर्देश दिए। साथ ही जल जीवन मिशन शहरी एवं ग्रामीण के अन्तर्गत डाली गई पाइपलाइन के बाद सड़कों की मरम्मत का कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ कराये जाने के निर्देश दिए। कहा कि कहा कि मरम्मत कार्य होने के बाद ही सम्बन्धित संस्था को भुगतान किया जाए।महापौर अर्चना वर्मा ने कहा कि अमृत योजना के अंतर्गत नगरीय क्षेत्रों में घरों में कनेक्शन दिए जाने के बाद पाईप खुले न छोड़े जाएं। जिलाधिकारी ने जनपद में संचालित योजनाओं के विषय में जानकारी दी और समिति को आश्वस्त किया कि बैठक में दिए गए निर्देशों को समयान्तर्गत अनुपालन कराया जाएगा। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष ममता यादव, विधायक वीर विक्रम सिंह प्रिंस, चेतराम, सलोना कुशवाह, एमएलसी डा. सुधीर गुप्ता, नगर आयुक्त संतोष शर्मा,अपर जिलाधिकारी प्रशासन, मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला विकास अधिकारी सहित सम्बन्धित अधिकारी, ब्लाक प्रमुख एवं समिति के नामित सदस्य उपस्थित रहे।

पुण्यतिथि पर कवि अग्निवेश शुक्ल को कवियों ने दी श्रद्धांजलि

लोक पहल

शाहजहांपुर। अग्निधर्मा कवि अग्निवेश शुक्ल की 20 वीं पुण्यतिथि पर टाउनहाल स्थित त्रिकवि तिराहे पर स्थानीय कवियों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। कवियों ने दादा राजबहादुर विकल व दामोदर स्वरुप विद्रोही की प्रतिमाओं पर भी माल्यार्पण किया। कवियों ने कहा कि श्री शुक्ल राष्ट्रवादी कवि थे। उनकी रचनाएं जन जन में देश प्रेम के भाव का संचार करती हैं। इस मौके पर कवि ज्ञानेंद्र मोहन 'ज्ञान', कुलदीप 'दीपक', कमल 'मानव', राजीव सिंह 'भारत', विकास शर्मा 'पारस', विकास सोनी 'ऋतुराज', प्रशांत अग्निहोत्री, डा0 सुरेश मिश्र, आतिश मुरादाबादी, उमेश चंद्र सिंह, राजेश्वर दयाल पाठक, चंद्रशेखर दीक्षित, लालित्य पल्लव, इशरत सगीर, अनुज दीक्षित आदि मौजूद रहे।

शोध की मौलिकता बचाया जाना आवश्यकः प्रो. नईमुद्दीन

एसएस कालेज में रिसर्च एथिक्स पर कार्यशाला का आयोजन

लोक पहल

शाहजहांपुर। एसएस कॉलेज मे रसायन विज्ञान विभाग की ओर से रिसर्च इथिक्स विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के माध्यम से शोधार्थियों को रिसर्च प्रोजेक्ट एवम् शोध पत्रों को बनाते समय, शोध की मौलिकता को बचाए जाने पर जोर दिया गया। मुख्य वक्ता प्रोफेसर नईमुद्दीन सिद्दिकी ने कहा कि वर्तमान में तमाम शोध कार्यों में शोध की नैतिकताओं को नजरअंदाज कर जल्द से जल्द परिणाम प्राप्त करना एक अकादमिक समस्या के रूप में लगातार देखा जा रहा है। आज उच्च शोध तो किए जा रहे हैं किंतु कही ना कही उन शोध प्रक्रियाओं में शोध की नैतिकताओं की कमी पाई जाती है। विशिष्ट वक्ता डॉ कहकशा बेगम ने कहा कि अनुसंधान में नैतिकता आंकड़ों के संग्रह और विश्लेषण में ईमानदारी, वस्तुनिष्ठता, अखंडता, जवाबदेही, बौद्धिक संपदा के लिए सम्मान, और प्रयोगों में पर्यावरण अनुकूलता जैसे मुद्दों को शामिल करना चाहिए। डॉ निदा शाहिद ने कहा कि एक अच्छे शोध में कई समन्वित कदम शामिल होते हैं। प्रो. राजकुमार सिंह ने कहा कि यूजीसी ने एनईपी 2020 में ईमानदारी के साथ अच्छी गुणवत्ता वाले शोध को सुनिश्चित करने और उच्च गुणवत्ता वाली पत्रिकाओं में परिणामों को प्रकाशित करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक मार्गदर्शन दस्तावेज प्रकाशित किया है।

कार्यशाला में रसायन विज्ञान के विभाध्यक्ष डॉ आलोक कुमार सिंह ने स्लाईड के माध्यम से शोध परियोजना और शोध पत्र बनाने की तकनीक को प्रदर्शित किया। डॉ अमित कुमार और डॉ चंदन गिरी ने अतिथियों को पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। संचालन डॉ संदीप कुमार दीक्षित ने किया।

जयंती पर अमर शहीद राम प्रसाद बिस्मिल का किया भावपूर्ण स्मरण

संकल्प संस्था ने मनाई बिस्मिल जयन्ती

लोक पहल

शाहजहांपुर। रचनात्मक संस्था संकल्प के तत्वावधान में अमर शहीद पण्डित रामप्रसाद बिस्मिल की 126 वीं जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। जिसमें विभिन्न गणमान्य जनों ने अमर शहीद को पुष्पांजलि अर्पित की।खिरनी बाग स्थित बिस्मिल उद्यान में हुए आयोजन का शुभारंभ नगर निगम की महापौर अर्चना वर्मा व नगर आयुक्त सन्तोष कुमार शर्मा ने अमर शहीद पंडित रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, ठाकुर रोशन सिंह व राजेन्द्र लाहिड़ी के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पार्पण कर किया। इस मौके पर महापौर अर्चना सिंह वर्मा ने कहा ष अमर शहीदों के बलिदान के कारण ही हम सब आज स्वतंत्र हैं। यह हमारा दायित्व है कि उनके बलिदानों से प्रेरणा लेते हुए सुन्दर समाज के निर्माण में सहयोगी बनें।नगर आयुक्त सन्तोष कुमार शर्मा ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हमें अमर शहीदों के नगर में कार्य करने का अवसर मिला। इस अवसर पर उन्होंने स्वच्छता को आदत में ढालने की भी अपील की। कार्यक्रम को डॉ केके शुक्ला ने भी संबोधित किया। शांति पाठ संस्थापक डॉ अवधेश मणि त्रिपाठी द्वारा कराया गया। आरम्भ में आर्य समाज के विद्वत जनों द्वारा यज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें सभी ने आहुतियां देकर राष्ट्र कल्याण की कामना की। कार्यक्रम संयोजन में रजनी गुप्ता, डॉ सत्यप्रकाश मिश्र, सुनील अग्निहोत्री, राकेश मिश्रा, अजय गुप्ता, रेनू सक्सेना, गीता त्रिवेदी, जीसी मिश्रा व रामजी गुप्ता का विशेष सहयोग रहा। कवि डॉ इन्दु अजनबी के संचालन में हुए कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सफाई आयोग के पूर्व अध्यक्ष सुरेन्द्र नाथ, डॉ सोमशेखर दीक्षित, प्रवीण मिश्र, संजीव सक्सेना, एनसी त्यागी, ज्योति गुप्ता, दपिन्दर कौर, डॉ अवनीश मिश्र, अवधेश कुमार दीक्षित, हिमान्शु पाराशरी, अरुण दीक्षित, डॉ मनोज पाण्डेय, सर्वेश मिश्र धाधूं शीला रस्तोगी, करुणेश अवस्थी, ललित मोहन, माधवी अश्वनी मिश्रा, अनामिका अवस्थी, अर्चना दीक्षित, अमित प्रियदर्शी राजपूत, गीता पाण्डेय, वेदांश अवस्थी, अनूप वर्मा, राजेश दीक्षित, नीरज अवस्थी, राजवीर सिंह यादव, प्रमोद गुप्ता, रेखारानी, अभिनव दीक्षित, डॉ अनिल त्रेहन, मनमोहन त्रिपाठी, प्रमोद पाण्डेय, इन्द्रजीत सचदेव, अमित मिश्रा, हरीश बजाज, संजीव मिश्र, दिनेश कुमार मिश्र समेत अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री के परीक्षा पर चर्चा में भाग लेने वाली छात्राएं सम्मानित

लोक पहल

शाहजहांपुर। डॉ.सुदामा प्रसाद बाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परीक्षा पर चर्चा 2023 की चर्चा में हिस्सा लेने वाली एवं विचार रखने वाली चयनित कक्षा 11 की छात्राओं अंशिका वर्मा एवं अरीबा को सम्मानित किया गया किया गया। दोनों छात्राओं को प्रधानमंत्री द्वारा दिनांक 20 अप्रैल 2023 को जारी पत्र में चर्चा में प्रतिभाग करने के लिए धन्यवाद दिया है तथा आशा व्यक्त की है कि वह जीवन की हर परीक्षा में सफलता प्राप्त करें। एक समारोह में दोनों छात्राओं को प्रधानमंत्री द्वारा लिखे गए पत्र तथा विद्यालय की ओर से स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गयाद्य प्रबंध समिति के अध्यक्ष संतोष कुमार पांडे तथा प्रधानाचार्य डॉ राखी मिश्रा ने छात्राओं को बधाई दी। इस अवसर पर शिक्षिका रवि प्रभा जौहरी, मंजरी यादव, गीता बोस, विनीता मिश्रा, प्रज्ञा सिंह आदि उपस्थित रही।

बालश्रम की रोकथाम को चला अभियान, एक बाल श्रमिक पकड़ा, नियोक्ता का चालान

लोक पहल

शाहजहांपुर। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग नई दिल्ली के निर्देश पर जिले में बाल श्रम रोकथाम एवं जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। यह अभियान संयुक्त रूप से श्रम विभाग डीसीपीयू, एएचटीयू, चाइल्ड लाइन द्वारा संचालित किया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी गौरव मिश्रा के निर्देशन में जिला बाल संरक्षण इकाई से संरक्षण अधिकारी निकेत कुमार सिंह ने एएचटीयू से प्रभारी अनंतराव हेड कांस्टेबल मुकेश गिरी कांस्टेबल अंकित कुमार सावन कुमार महिला कांस्टेबल रशीदा निशा चाइल्ड लाइन से आशा सक्सेना,श्रम प्रवर्तन अधिकारी घनश्याम वर्मा ने हरदोई मोड़ रौसर कोठी पक्का पुल हनुमत धाम आदि क्षेत्रों में अभियान चलाया। इस दौरान टीम के सदस्यों ने व्यापारियों से कहा कि बच्चों से काम ना कराएं कम उम्र के बच्चों से काम कराने से उनके भविष्य का विकास रुक जाता है तथा उनकी शिक्षा भी बाधित हो जाती है। अभियान के दौरान एक बच्चे को चिन्हित किया गया तथा दुकान मालिक का चालान भी किया गया।

गरीबों की रोजीरोटी छीनने में लगा नगर निगम व जिला प्रशासन : तनवीर खां

लोक पहल

शाहजहांपुर। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष व पूर्व पालिका चेयरमैन तनवीर खान आरोप लगाया है कि महानगर में भाजपा का महापौर जीतते ही नगर निगम प्रशासन व जिला प्रशासन ने मौजूदा भाजपा सरकार में गरीबों की रोजी रोटी छीन्ना शुरु कर दिया है जो बहादुरगंज रिक्शा स्टैंड के पास फड़ और ठेला लगाकर अपने परिवार वालों का पालन पोषण कर रहे थे वहां पर सब तोड़फोड़ कर वहां सब उजाड़ दिया और गरीबों की रोजी–रोटी छीन ली। जब कि जिला प्रशासन ने पहले वादा किया था कि इन गरीब लोगों को दूसरे किसी स्थान पर जगह दी जाएगी लेकिन ऐसा नहीं किया गया और गरीबों की रोजी रोटी छीन कर वादाखिलाफी की गई। श्री खान ने जिला प्रशासन व नगर निगम प्रशासन से मांग की है इन फड़ व ठेला लगाने वाले लोगों को शहर में ही उचित स्थान पर कहीं जगह दी जाए ताकि इन गरीब लोगों की रोजी–रोटी शुरू कराई जा सके नहीं तो जनहित में गरीबों को रोजी–रोटी दिलाने के लिए समाजवादी पार्टी आंदोलन करेगी।

प्रो अनुराग अग्रवाल को काठमांडू में मिला गुरु एक्सीलेंस अवॉर्ड

लोक पहल

शाहजहांपुर। गुरु विद्यापीठ एवं विलक्षणस एक सार्थक पहल समिति के संयुक्त तत्वावधान में नेपाल की राजधानी काठमांडू में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शिक्षाविद एवं साहित्यकार संगोष्ठी में एस. एस. कॉलेज, शाहजहांपुर के उप प्राचार्य एवं वाणिज्य विभागाध्यक्ष प्रो अनुराग अग्रवाल को, 'गुरु एक्सीलेंस अवार्ड' से सम्मानित किया गया। प्रो अनुराधा, प्रो चंद्रशेखर , डॉ नरेश सिहाग , डॉ हेमराज नेयोपाने, आपी लंगकम ने सम्मान स्वरूप उन्हें नेपाली टोपी, रुद्राक्ष की माला, प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। संगोष्ठी में भारत, नेपाल ,यूक्रेन ,भूटान सहित अनेक देशों के शिक्षाविदों और साहित्यकारों ने भाग लिया। संगोष्ठी का मुख्य विषय था, 'अंतरराष्ट्रीय साहित्यिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और वाणिज्यिक विमर्श'। संगोष्ठी में प्रो अनुराग ने 'भारत और नेपाल में व्यक्तिगत आयकर व्यवस्था की तुलनात्मक स्थिति' विषय पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में डॉ दिलीप कटारे, डॉ कपिल गौतम, नीलू कुमारी रजक, रिकब चंद्र डॉ महेश नागरिया आदि विद्वान उपस्थित थे।

आरके मिश्रा स्कूल को मिली इंटरमीडिएट की मान्यता

लोक पहल

शाहजहांपुर। पुवायां के दलेलपुर जमी,बरिउना भटियुरिया बुजुर्ग स्थित राजकिशोर मिश्रा स्कूल को इंटरमीडिएट की मान्यता उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज से मिल गई है। कॉलेज प्रबंधक डा.राजकिशोर मिश्रा के अथक प्रयास और दृढ़ संकल्प से उन्हें यह कामयाबी मिली है। उन्होंने बताया कि मान्यता मिल जाने से ऐसे बच्चों को भी शिक्षित होने का अवसर मिलेगा जोकि संसाधनों के अभाव में दस किलोमीटर दूर पुवायां शिक्षा ग्रहण करने नहीं जा पाते हैं। प्रधानाचार्य शिव स्वरूप मिश्रा ने बताया कि इंटरमीडिएट की मान्यता होने से हम अब अच्छी तरह से शिक्षा की अलख जला सकेंगे। उन्होंने माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा जारी मान्यता प्रमाण पत्र जिला विद्यालय निरीक्षक से प्राप्त कर उन्हे धन्यवाद दिया। इंटरमीडिएट की मान्यता मिलने पर समस्त स्टाफ को शुभकामनाएं दी।

अवसाद एक मानसिक विकृतिः डा. अभिनव

रोटरी क्लब की ओर से अवसाद, अल्जाइमर पर व्याख्यान का आयोजन

लोक पहल

शाहजहांपुर। रोटरी क्लब की ओर से आर्य समाज मन्दिर में एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। जिसमें अतिथि वक्ता के रूप में डा. अभिनव रस्तोगी ने अवसाद, अल्जाइमर पर अपना व्याख्यान देते हुए कहा कि अवसाद एक मानसिक विकृति है जो धीरे–धीरे इंसान को मानसिक रोगी की ओर ले जाती है। यहां तक कि अत्यधिक अवसाद बढ़ने पर व्यक्ति आत्महत्या तक करने को मजबूर हो जाता है। यह बीमारी अधिकतर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र–छात्राओं व वरिष्ठ नागरिकों प्रमुख रूप में महिलाओं में अधिक पाई जाती है। उम्र बढ़ने पर जब व्यक्ति खुद को अकेला महसूस करना लगता है तो वह धीरे–धीरे अवसाद की दशा में चला जाता है। इससे बचने के लिए हमें अपने चारो ओर एक खुशनुमा माहौल बनाए रखने की आवश्यकता है। समय–समय पर लोगों से मिलने, पिकनिक पर जाने, घूमने फिरने आदि से अवसाद की स्थिति से बचा जा सकता है। इस दौरान रोटरी क्लब के अध्यक्ष समीर सक्सेना, सचिव अजय शर्मा, डा. अनुराग अग्रवाल, सुमन गुप्ता, अतुल मेहरोत्रा, नवीन कपूर आदि मौजूद रहे।

बाल श्रम कानूनी और सामजिक अपराध

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर अभियान चलाकर किया गया जागरूक

लोक पहल

शाहजहांपुर। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर श्रम विभाग, एएचटीयू, जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड लाइन, की टीम की ओर से कांट स्थित इंडिया ब्रिक फील्ड पर गोष्टी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में श्रम प्रवर्तन अधिकारी घनश्याम वर्मा ने कहा कि बाल श्रम एक सामाजिक अपराध है पढ़ाई लिखाई की उम्र में बच्चों से काम कराने से उनका विकास रूक जाता है। उन्होंने सभी नियोक्ताओं से अपील की कि वे 14 साल से कम उम्र के बच्चों से काम न करायें। बाल संरक्षण अधिकारी निकेत कुमार सिंह ने कहा कि बाल श्रम कानूनी अपराध है इससे बच्चों के बचपन पर बुरा प्रभाव पड़ता है उनकी पढ़ाई लिखाई बाधित हो जाती है। इसलिए बच्चों के हाथों में किताब दें जिससे वह पढ़ें और अपना अपने परिवार को एवं अपने समाज का उत्थान करें। बच्चे ही भारत का भविष्य हैं यदि बच्चों से बाल श्रम कराया जाता है तो राष्ट्र का भविष्य प्रभावित होता है। अतः सभी को चाहिए कि बच्चों को पढ़ाई लिखाई के लिए प्रेरित करें तथा बाल श्रम कहीं भी होता हुआ नजर आए तो 1098 112 श्रम विभाग बाल कल्याण समिति तथा जिला बाल संरक्षण इकाई में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं इसी के साथ बर्थडे पर बाल श्रम करते हुए एक बालक को चिन्हित कर भट्ठा स्वामी का चालान भी किया गया।

इस मौके पर श्रम प्रवर्तन अधिकारी घनश्याम वर्मा, भूरेलाल, जिला बाल संरक्षण इकाई के बाल संरक्षण अधिकारी निकेत कुमार सिंह, काउंसलर प्रतिभा मिश्रा, एचपीयू प्रभारी अनंत रामराव, हेड कांस्टेबल शैलेश कुमार द्विवेदी, हेड कांस्टेबल अंकित कुमार, उमरपाल सिंह, चाइल्ड लाइन से टीम मेंबर अनिल सिंह उपस्थित रहे।

नगर निगम में जन सुनवाई दिवस का आयोजन, पांच शिकायतें मिली एक का मौके पर निस्तारण

लोक पहल

शाहजहांपुर। नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा की अध्यक्षता में जनसुनवाई दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें जन–सामान्य द्वारा साफ– सफाई, शुद्ध पेयजल की आपूर्ति, प्रकाश बिन्दु नाली निर्माण एवं कर विभाग से सम्बन्धित अपनी–अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को रखा गया। प्राप्त जन समस्याओं–शिकायतों को गंभीरता पूर्वक सुना गया व संज्ञान लेते हुये संबन्धित विभागों के अधिकारियों– कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर जन–सामान्य की संतुष्टि, समदृष्टि को ध्यान में रखते हुये ससमय निस्तारण कराया जायें। जन सुनवाई दिवस में 05 समस्यायें–शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से मौके पर ही 01 शिकायतों–समस्याओं का निस्तारण किया गया तथा शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु संबन्धित अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया गया। जनसुनवाई दिवस में सहायक नगर आयुक्त रश्मि भारती, मुख्य अभियंता सिविल एस.के. अम्बेडकर, महाप्रबंधक जल सौरभ श्रीवास्तव, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी राकेश कुमार सोनकर, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार मिश्रा एवं नगर निगम के अन्य अधिकारी कर्मचारीगण तथा नगर के जन–सामान्य द्वारा सक्रिय प्रतिभाग किया गया।

हर घर-आँगन योग थीम के साथ 21 जून को आयोजित किया जायेगा योग दिवस

15 से 21 जून तक मनाया जायेगा योग सप्ताह

लोक पहल

शाहजहाँपुर। 15 से 21 जून तक आयोजित होने वाले योग सप्ताह एवं 21 जून को आयोजित होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन के सम्बन्ध में जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि व्यापक स्तर पर आयोजन सुनिश्चित किया जाये। जिलाधिकारी ने बैठक मे उपस्थित सभी स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों से अनुरोध किया कि व्यापक स्तर पर आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में अपना सहयोग दें तथा जन–जन तक योग दिवस के संदेश को पहुचाते हुये कार्यक्रम से जुड़ने के लिये प्रेरित करें। जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि समस्त ग्राम पंचायतों में व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करायें। जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को समस्त विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित करने हेतु भी निर्देशित किया। इसके साथ ही तहसील, ब्लाक, प्रविधिक शिक्षा, नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत, सहकारी संस्थाओं, उच्च शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, गृह विभाग, वन विभाग आदि विभागों में भी योग दिवस के कार्यक्रम एवं योग सप्ताह व्यापक स्तर पर मनाये जाने हेतु जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी न्यायिक राशिद अली, जिला विकास अधिकारी पवन कुमार सिंह, जिला आयूर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डा. राजीव कुमार सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

जय जवान, जय किसान जय विज्ञान का नारा चरितार्थ किया मोदी सरकार नेः खन्ना

मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने पर भाजपा नेताओं ने गिनाई उपलब्धियां

लोक पहल

शाहजहांपुर। मोदी सरकार के नौ साल पूरा होने पर भाजपा कई कार्यक्रमों का आयोनज कर रही है। इसी के क्रम में शहर के खिरनीबाग रामलीला मैदान में आयोजित एक सभा में भाजपा नेताओं ने केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के नौ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में उपलब्धियां गिनाई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जय जवान, जय किसान के बाद जय विज्ञान का नारा दिया है। कृषि के लिए इतना किसी सरकार ने कार्य नहीं किया, जितना नरेंद्र मोदी ने किया है। केंद्र सरकार की नौ उपलब्धियों में जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना, स्वच्छ भारत मिशन योजना, प्रधानमंत्री कौशल भारत योजना, स्मार्ट सिटी योजना शामिल हैं। अपने भाषण के अंत में वित्त मंत्री ने देशभक्ति की लाइनें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को समर्पित की।

उन्होंने सांसद अरुण कुमार सागर की सराहना करते हुए कहा कि सरल, सौम्य, व्यवहार का कुशल सांसद जनता को मिला है। मुख्य वक्ता के रूप के में हरियाणा पर्यटन निगम के अध्यक्ष अरविंद सिंह यादव ने कहा कि हरियाणा में सबसे पहले मोदी–मोदी के नारे लगे थे। यूपी में पहले कर्फ्यू लगने की खबरें ही पढ़ने को मिलती थी, अब विकास की चर्चा ही हर जगह हो रही है। विशिष्ट अतिथि प्रभारी मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि कहा कि भाजपा सरकार हकीकत में गरीबों की सरकार है। सभा का संचालन भाजपा के महानगर महामंत्री नवनीत पाठक ने किया। आभार डीसीबी के चेयरमैन डीपीएस राठौर ने जताया। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष केसी मिश्रा, महानगर अध्यक्ष अरुण गुप्ता, विधायक चेतराम, विधायक हरिशंकर वर्मा, विधायक सलोना कुशवाहा, एमएलसी डॉ. सुधीर गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष ममता यादव, महापौर अर्चना वर्मा, ब्लाक प्रमुख श्रीदत्त शुक्ला, महेंद्र सिंह, सुरजनलाल, प्रियांशु रघुवंशी, रमेश दीक्षित, अरुण यादव चौनू, लता अमित सिंह, अंशुल सिंह चौहान, रमाकांत, अनिल सिंह कमांडो, जिलाध्यक्ष शिल्पी गुप्ता, नलनी ओमर, अल्पना श्रीवास्तव, हेमा अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय

युवा वर्ग : बढ़ता दबाव, पनपता अवसाद, परिणाम आत्महत्या

हर मां–बाप का सपना होता है कि उसका पुत्र या पुत्री बड़ा होकर डाक्टर, इंजीनियर या कोई बड़ा अधिकारी बने। इसके लिए वह हर हद को पार कर प्रयास भी करता है। मां–बाप की इच्छाओं के अनुरूप बच्चे भी कुछ बेहतर करने के लिए हर भरसक प्रयास करते हैं लेकिन जब उनके प्रयास सफलता प्राप्त नहीं कर पाते तो वे अवसाद की दुनिया में चले जाते है और यहां तक कि मौत को गले लगाने में भी नहीं पीछे हटते। दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं, लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। लोगों में अवसाद निरंतर बढ़ रहा है, जिसके चलते कुछ लोग आत्महत्या जैसा हृदय विदारक कदम उठा बैठते हैं। जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। देश के प्रमुख कोचिंग केंद्र बने राजस्थान के कोटा में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को लेकर अत्यधिक मानसिक दबाव के कारण जब–तब विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या की घटनाएं सामने आती रहती हैं। अब आइआइटी जैसे भारत के सर्वश्रेष्ठ इंजीनियरिंग संस्थानों और कुछ अन्य प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थानों में भी विद्यार्थियों की आत्महत्या के मामले समाज को झकझोरने लगे हैं।

कोटा में आठ से 25 मई के बीच ही चार छात्रों द्वारा आत्महत्या करने की खबरें सामने आईं। पिछले दिनों सीबीएसई की बारहवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम आने पर केवल दिल्ली में ही तीन छात्रों की आत्महत्या की खबर भी स्तब्ध करने वाली थी। ये तीन ऐसे मामले हैं, जो देश की राजधानी से मीडिया की सुर्खियों में आए। लेकिन ऐसे न जाने कितने ही मामले देश के दूरदराज के इलाकों में घटित होते रहते हैं, लेकिन वे मीडिया की सुर्खियां नहीं बन पाने के कारण लोगों की नजरों में नहीं आ पाते। चिंताजनक स्थिति यह बनती जा रही है कि परीक्षाओं के दौरान प्रश्नपत्र सही से हल नहीं कर पाने और कई बार परीक्षा की समुचित तैयारी नहीं होने पर भी कुछ मामलों में अब कुछ विद्यार्थी हताश होकर जान देने लगे हैं। दसवीं या बारहवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम हों या फिर मेडिकल और इंजीनियरिंग की प्रवेश परीक्षाएं, ऐसी परीक्षाओं में सफल नहीं होने के कारण कुछ छात्र अब आत्महत्या जैसा हृदय विदारक कदम उठाने लगे हैं।

युवाओं में आत्महत्या की यह बढ़ती प्रवृत्ति अब सभी को गंभीर चिंतन–मनन के लिए विवश करने के लिए पर्याप्त है। विद्यार्थियों की आत्महत्या के आंकड़ों पर नजर डालें तो बहुत चिंताजनक तस्वीर उभरकर सामने आती है। राज्यसभा में दी गई एक जानकारी के अनुसार 2018 से 2023 के बीच पांच वर्षों की अवधि में आइआइटी, एनआइटी, आइआइएम जैसे देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में ही इकसठ छात्रों ने आत्महत्या की, जिनमें 33 छात्र आइआइटी के थे। देश के युवा वर्ग और खासकर अठारह वर्ष से कम आयु वर्ग के बच्चों में आत्महत्या की बढ़ती यह प्रवृत्ति बेहद चिंताजनक है। शिक्षा और करिअर में गलाकाट प्रतिस्पर्धा और माता–पिता और शिक्षकों की बढ़ती अपेक्षाओं के चलते विद्यार्थियों पर पढ़ाई का बढ़ता अनावश्यक दबाव इसका सबसे बड़ा कारण है, जिसने उनके समक्ष विकट स्थिति पैदा कर दी है। कई बच्चे इस दबाव को झेल नहीं पाते, जिसके चलते उनमें अवसाद पनपता है। इंजीनियरिंग और मेडिकल कालेजों में तो सीटें बहुत होने के कारण अब बहुत ज्यादा प्रतिस्पर्धा होने लगी है। ऐसे में विद्यार्थी अपनी शिक्षा और भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में रहते हैं। किसी को करिअर या नौकरी की चिंता है तो कोई पारिवारिक वित्तीय संकट से जूझ रहा है। परीक्षा में अपेक्षा से कम या रैंक मिलने पर कुछ बच्चे आत्महत्या का मार्ग चुन लेते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि अंकों की दौड़ में पिछड़ जाने के कारण उनका भविष्य अंधकारमय हो गया है। लोगों में अवसाद निरंतर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ लोग आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। किसी राजनीतिक दल के लिए विद्यार्थियों की आत्महत्याएं भले ही कोई चुनावी मुद्दा न हों, लेकिन समाज के लिए ये आत्महत्याएं चिंतनीय और दुर्भाग्यपूर्ण अवश्य हैं।

शिशिर शुक्ला
शाहजहांपुर

रहस्यों, सवालों एवं संभावनाओं से भरा है ब्रह्माण्ड

ब्रह्मांड को यदि रहस्यों, संभावनाओं एवं प्रश्नों का पिटारा कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। वैज्ञानिकों के द्वारा ब्रह्मांड की उत्पत्ति के विषय में दिया गया सर्वमान्य सिद्धांत यह कहता है कि लगभग चौदह अरब वर्ष पूर्व ऊर्जा एवं द्रव्य एक अति उच्च ताप एवं घनत्व के बिंदु के रुप में संघनित था। इस बिंदु में महाविस्फोट के परिणामस्वरूप ब्रह्मांड का अस्तित्व में आना संभव हुआ। इस विस्फोट को बिगबैंग के नाम से भी जाना जाता है। विशेष बात तो यह है कि उत्पत्ति के बाद से लेकर ब्रह्मांड का प्रसार अनवरत रूप से जारी है। इस बात की पुष्टि विभिन्न गैलेक्सियों के लिए मापे गए डॉप्लर विस्थापन के विद्युत चुम्बकीय स्पेक्ट्रम के लाल भाग में स्थित होने से हो जाती है। उच्च ताप व घनत्व के बिंदु में हुए महाविस्फोट का नतीजा यह हुआ कि ऊर्जा एवं द्रव्य चारो ओर फैलने लगे। संभवतः यह ऊर्जा इतनी उच्च रही होगी कि आज भी ब्रह्मांड उसी ऊर्जा से जनित बल के द्वारा स्वयं का विस्तार कर रहा है। द्रव्य के इधर–उधर बिखरने के फलस्वरूप विभिन्न आकाशीय पिंडों का जन्म हुआ जिन्हें हम तारा, ग्रह, उपग्रह, क्षुद्रग्रह इत्यादि के रूप में जानते हैं। ब्रह्मांड पर अनवरत रूप से शोध कार्य जारी है एवं समय–समय पर विभिन्न रोचक जानकारियां इन शोधकार्यों के नतीजों के रूप में प्रकाशित होती रहती हैं। यदि सर्वाधिक प्रचलित एवं मान्य होने के कारण बिग बैंग सिद्धांत पर विश्वास कर लिया जाए तो भी केवल आदि अर्थात आरंभ के रहस्य की गुत्थी सुलझ पाती है। अनेक प्रश्न अभी भी ऐसे हैं जो हम सबके समक्ष किसी चुनौती की भांति खड़े हैं, जैसे ब्रह्मांड का प्रसार कहां तक एवं कब तक होगा, ब्रह्मांड की आयु क्या है एवं उसका अंत किस प्रकार होगा, समय की चरम सीमा क्या है, ब्रह्मांड में पृथ्वी के अतिरिक्त ऐसे कौन से ग्रह हैं जिन पर जीवन अथवा जीवन की संभावना विद्यमान है। यदि ऐसे कोई ग्रह हैं, तो वे कहां स्थित हैं।

हाल ही में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के द्वारा 2040 में मंगल की धरती पर इंसान के द्वारा पहला कदम रखे जाने का ऐलान किया गया है। यह भी बताया गया है कि इस मिशन हेतु सेतु के रूप में चंद्रमा पर एक कार्यालय भी बनाया जाएगा। प्रथम चरण के तहत अंतरिक्ष यात्री 2033 में मंगल की परिक्रमा करेंगे एवं 7 वर्ष के उपरांत मंगल की सूनी किंतु उम्मीदों से भरी हुई धरती पर मानव के कदम पड़ना संभव होगा। नासा की यह घोषणा निस्संदेह भविष्य में पृथ्वी के अतिरिक्त किसी अन्य ग्रह पर भी मानव जीवन को पूर्णरूपेण विकसित करने की संभावना हेतु आशा की किरण जगाती है। एक नवीनतम शोध में यह खुलासा हुआ है कि किसी तारे के अंत का सीधा सा अर्थ है– उसके सौरमंडल का भी अंत। शोधकर्ताओं के द्वारा यह देखा गया कि अक्विला नक्षत्र के एक तारे के द्वारा अपने ईंधन की समाप्ति पर आकार में वृद्धि करते हुए अपने निकट परिक्रमा करने वाले ग्रहों को आत्मसात कर लिया गया। इससे यह निश्चित है कि भविष्य में जब कभी पृथ्वी से 15 करोड़ किलोमीटर दूर स्थित सूर्य का अंत होगा तो हमारी पृथ्वी भी उसमें समा जाएगी। दूसरे शब्दों में यह कहा जा सकता है कि कहीं न कहीं पृथ्वी के भविष्य की एक झलक इस घटना के द्वारा मिली है। ओरियन तारामंडल में मौजूद बेटेलज्यूज तारा जो पृथ्वी से 650 प्रकाश वर्ष दूर स्थित है सुपरनोवा विस्फोट की तैयारी में है। खास बात तो यह है कि इस घटना को दिन के उजाले में हम अपनी आंखों से देख सकेंगे। वैज्ञानिकों के अनुसार इन घटनाओं के द्वारा सुपरनोवा विस्फोट के विषय में अध्ययन करने में आसानी हो जाएगी। नासा के टेस अंतरिक्ष यान के द्वारा टीओआई 2095 एवं टीओआई 2095 बी नामक दो सुपर अर्थ ग्रहों की खोज की गई है जहां वायुमंडल के साथ–साथ जीवन की संभावना भी विद्यमान है। पृथ्वी से बड़े व भारी होने के कारण इन्हें सुपर अर्थ नाम दिया गया है। हमारे सौरमंडल के विशालतम ग्रह बृहस्पति के बारे में ज्ञात नवीनतम जानकारी के अनुसार यहां पर भी पृथ्वी के समान आसमान से बिजली गिरती है। एक अन्य शोध के अनुसार आकाशगंगा में तारों की परिक्रमा करने वाले एक तिहाई ग्रहों पर तरल अवस्था में पानी के संकेत मिले हैं, जिससे यहां पर जीवन की संभावना का अनुमान लगाया जा सकता है।

आज इंसान को चांद पर पहुंचाने के लिए अरबपतियों के बीच प्रतिस्पर्धा लगी हुई है। एलन मस्क एवं जेफ बेजोस के साथ नासा ने 2029 में लांच होने वाले आर्टेमिस मिशन के लिए 3.4 बिलियन डालर का समझौता किया है। बहरहाल पृथ्वी के बाद वर्तमान में यदि कहीं जीवन की संभावना नजर आती है तो वह है –मंगल ग्रह। मंगल पर महासागरों के ठोस सबूत मिले हैं। ऐसा माना जा रहा है कि अतीत में मंगल पर नदियां एवं झीलें मौजूद थे। मंगल के उत्तरी गोलार्ध में महासागर का प्रमाण मिला है। इन सब प्रमाणों से एक प्रश्न निश्चित रूप से शोध का विषय बन जाता है कि क्या कभी मंगल पर जीवन मौजूद था। इस प्रश्न के उत्तर की तलाश के साथ–साथ भविष्य में मंगल पर जीवन की क्या संभावनाएं हैं, इस पर वैज्ञानिकों का शोध निरंतर जारी है। संभवतरू कभी वह शुभ घड़ी आए जब मंगल पर मानव बस्ती बसाने का सपना साकार हो सके।

बच्चों को रोजगार नहीं, शिक्षा का अधिकार चाहिए

डा. कनक रानी
पूर्व प्राचार्य

बाल्यकाल जीवन का स्वर्णिम समय है। व्यक्तित्व के सृजन का काल है। यदि आरम्भिक काल से ही बालक का समुचित पालन– पोषण नहीं होता है तो उसका व्यक्तित्व समाज की अपेक्षा के अनुसार विनिर्मित नहीं हो पाता। इस तथ्य का प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रूप से वैयक्तिक, सामाजिक व राष्ट्रीय प्रगति पर असर पड़ता है। एक स्वस्थ राष्ट्र को सुयोग्य नागरिकों की अपेक्षा है। समाजशास्त्री इस बिंदु को गंभीरता से लेते हैं। उनके अनुसार बालहित और राष्ट्रहित के लक्ष्यगत बालश्रम की नकारात्मकता को नजरअंदाज करना ठीक नहीं। यह बच्चों के जीवन से कोमलता को छीनने वाला विकास से विमुख करने वाला अपराध ही है। बच्चों को श्रम के कार्यों में नियुक्त–प्रवृत करना उनके प्रति अन्याय–शोषण को संज्ञान में लाता है। मानवीय दृष्टि से यह सर्वथा अनुचित तथा निन्दनीय है।

बाल श्रम के गंभीर दुष्परिणाम हैं। बच्चों के सपने खण्ड– खण्ड हो जाते हैं। हताशा–निराशा पनप जाती है। बालश्रम उन्हें न केवल मौलिक अधिकारों से वंचित करता है अपितु उनके शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास को भी अवरूद्ध करता है। बाल्यकाल में माता– पिता के स्नेहिल संरक्षण और समुचित मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। किंतु विडंबना यह है कि बचपन में ही वे श्रमिक बन जाते हैं। शिक्षा प्राप्त करने की अवस्था में उन्हें मजदूरी के लिए विवश होना पड़ता है।

बालश्रम के कारण शारीरिक उत्पीड़न, भावनात्मक शोषण, मानसिक दबाव, हिंसक व्यवहार, यौन उत्पीड़न, स्वास्थ्य समस्याएं, निराशा, अशिक्षा आदि अनेकानेक दुष्प्रभाव दिखाई देते हैं जो समाज में प्रतिकूलता लाते हैं। श्रम में संलग्न बच्चों का एक वर्ग स्कूल में उपस्थित होने और बेहतर प्रदर्शन करने में असमर्थ रहता है। सामाजिक नियमों की अवहेलना, श्रम कानूनों को नजरअंदाज करना भी इस कुवृत्ति का कारण है। इन विषमताओं के चलते बच्चों में धूम्रपान, पलायनवादिता, अपराधवृत्ति, भिक्षावृत्ति, नशाखोरी आदि अनैतिक कार्यों में लिप्तता दिखाई देती है। अवैतनिक अथवा कम वेतन में बच्चों से श्रम करवाना भी एक गम्भीर मुद्दा है।

बालश्रम एक अभिशाप है। बालश्रम से मुक्ति उनका अधिकार है। खेलना– कूदना बाल जीवन की स्वाभाविकता है। यह बच्चे की

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर विशेष

क्षमता को प्रभावित करता है। बच्चों के मध्य असमानता का भाव जगाता है। अन्ततः बच्चों के भविष्य को धूमिल करता है। मानवीय अधिकारों पर प्रश्न उठाता है। देश की सांस्कृतिक छवि को कलंकित करता है। यह सत्य तथ्य है कि बाल श्रम भर्त्सना योग्य है, जिस पर अंकुश जरूरी है।

परिवार की आर्थिक विपन्नता के कारण उन्हें श्रम की ओर ढकेल दिया जाता है। पारिवारिक आय में योगदान बालश्रम का एक अहं कारण है। इस तरह पारिवारिक जिम्मेदारी से युक्त करने वाले माता–पिता की बच्चों के प्रति संवेदनहीनता प्रदर्शित होती है। इस अमानवीय स्थिति से बच्चों को सुरक्षित करना आवश्यक है।

अस्तु, बच्चों के बहुमुखी और बहिर्मुखी व्यक्तित्व को संवारना–निखारना प्राथमिकता पर वांछित है। उनके उन्मुक्त विकास के लिए शिक्षा ,क महत्वपूर्ण उपकरण है। बच्चों में अशिक्षा एक शोचनीय पहलू है। यह उनकी उन्नति में बड़ी बाधा है जिसे नजरअन्दाज नहीं किया जा सकता। फलतः बच्चों को शिक्षित करना–समाधान की दिशा में बढ़ना जरूरी है। सम्प्रति बच्चों के हाथों में पुस्तकों और कलम की अपेक्षा है। नवागत पीढ़ी को शिक्षित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला रखी जा सकती है। इसमें कोई संशय नहीं कि शिक्षा और स्नेह ही बच्चों के उत्कृष्ट जीवन का सुपुष्ट आधार है। श्रम से पृथक्करण और शिक्षा में संलग्नता बाल विकास के निमित्त अतीव महत्वपूर्ण कदम हैं। अभिभावकों द्वारा इस ओर सजगता ही समस्या को कुछ हद तक न्यून कर सकती है। अतएव बच्चों को तनाव से मुक्त रखते हुए उनके सर्वतोमुखी विकास को केंद्रीकृत किया जाना सर्वथा उपयुक्त है।

महर्षि दयानंद का स्पष्ट अभिमत है कि जो माता– पिता बच्चों को शिक्षित नहीं करते, वे बच्चों के प्रति शात्रुवत् व्यवहार करते हैं। बच्चों को अशिक्षित रखकर वे उनके विकास के साथ– साथ राष्ट्रोन्नति को भी बाधित करते हैं। अतः बच्चों का शिक्षित किया जाना अपरिहार्य है।

बाल श्रम से पृथक्कता और शिक्षण में बच्चों की प्रगति निहित है। उनके उज्ज्वल भविष्य की पृष्ठभूमि है। उन्हें नई उड़ान देने की क्षमता है। अपेक्षा है कि श्रम से हटाकर उन्हें शिक्षा की दिशा में प्रवृत्त किया जाए। उन्हें संस्कारित किया जाए। उनमें राष्ट्रीयता का भाव जगाया जाए। मानवमूल्यों से संयुक्त किया जाए। बच्चे ही राष्ट्र के भविष्य हैं। बाल श्रम को निषिद्ध कर ही राष्ट्र को विकासोन्मुख किया जा सकता है। बच्चों के समग्र विकास हेतु सार्वजनिक प्रयासों–बाल विकास के कार्यक्रमों को गति दी जाए। समाज– राष्ट्र बालश्रम के नकारात्मक प्रभाव से मुक्त हो ताकि स्वस्थ वातावरण बच्चों को नए सपने–नई उड़ान दे सके।

सजन रे झूठ मत बोलो

हास्य व्यंग

रेखा शाह आरबी बलिया

एक अतरंगी मित्र शर्मा जी हैं बहुत दिनों बाद सुबह–सुबह टहलते हुए उनसे मुलाकात हो गई। दुआ सलाम होने के बाद मैंने पूछ लिया और बताइए घर, परिवार, बाल–बच्चे, सब ठीक–ठाक है और कामकाज कैसा चल रहा है। इतना सुनते ही उनका मुंह लटक गया .. मैंने पूछ लिया–'अरे मित्र तुम्हारा चेहरा क्यों उतर गया'। तब उन्होंने बताया 'घर परिवार और बाल बच्चे क्या खाक ठीक होंगे जब पेट पर ही आफत पड़ी हुई है.. घर परिवार कुशलतापूर्वक चलाने के लिए संयम की ही नहीं अर्थ की भी जरूरत पड़ती है और जब रोजगार ही नहीं रहा तो वह कहां से रहेगा.. बुरा हो देश में मंदी का जिसकी वजह से कार्यस्थल से.. हम लोगों को नौकरी से निकाल दिया गया, आखिर मालिक वो बेचारा कहां से कहां तक.. हम लोगों को तनख्वाह देगा जब उसके प्रोडक्ट की खरीद बिक्री ही नहीं हो रही, जनता के पास खरीदने की क्षमता ही नहीं रही'।

'मित्र झूठ मत बोलो मैंने आज सुबह सुबह समाचार पत्र से लेकर न्यूज चैनल

पर भी न्यूज देखा.. कहीं भी मंदी का जिक्र नहीं है अरे हमारे देश की अर्थव्यवस्था में सबसे तेज विनिर्माण का हब बन रहा है, देश में सरकार द्वारा वित्त पोषित योजनाएं प्रगति के पथ पर हैं, गरीब कल्याण योजना से लेकर, फसल बीमा योजना जाने कितनी अनेक योजनाएं चल रही हैं, देश के विकास के लिए और तो और हमारे देश के व्यापारी दुनिया के पहले नंबर के सबसे अमीर कारोबारी बन गए.. इतना ही नहीं चीन और पाकिस्तान को भी भारत ने घुटनों पर लाकर रख दिया है अब तो देश में विकास की रफ्तार दोगुनी हो चुकी है देश में हर तरफ खुशहाली की नदियां बह रही है यह सारी खबरें समाचार और समाचार पत्रों से मालूम हुई और आप कह रहे हैं देश भूख गरीबी और मंदी का शिकार है'।

बात को आगे समझाते हुए मैंने कहा मित्र लगता है आप विपक्षी पार्टी के झांसे में आ गए हैं.. तभी आप ऐसा दुष्प्रचार कर रहे हैं आप टीवी समाचार न्यूज पत्र कहीं भी खोल कर देखिए आपको कहीं गरीबी, भुखमरी, मंदी, बेरोजगारी नहीं दिखाई देगी.. पता नहीं आपके देखने का चश्मा पक्ष से है या विपक्ष से है.. तो मैं कैसे मान लूं कि देश में गरीबी बेरोजगारी मंदी है.. देश में इतनी खुशहाली है कि अब तो लड़कियां रात के बारह बजे रोड पर रहे तो भी उन्हें बलात्कार और शोषण का डर भय नहीं है'।

इतना लंबा प्रवचन सुनने के बाद शर्मा जी भड़क चुके थे। और बोले मित्र कभी धरती पर भी रहा करो..' हाथी के दांत खाने के कुछ और है दिखाने के कुछ और होते हैं' और यह उनको ही एहसास होता है जो उस दांत के नीचे आकर पिसते हैं.. और तब उन्हें पता चलता है' कितना धान कितने पसेरी का' पड़ रहा है। यह समाचार और न्यूज पत्र वाले तो 'सावन के अंधे' हैं जिन्हें सिर्फ हरा–हरा दिखाई देता है.. या यह भी हो सकता है सिर्फ हरा हरा दिखाने को ही कहा गया हो' ऐसा कह कर उन्होंने मेरी बोलती ही बंद कर दी।

गीतिका

गाँव के आसपास मिलती है।
एक चर्चा उदास मिलती है।
बोरियों पर जमात नीम तले,
फेंटते अपने ताश मिलती है।

झुण्ड में भेड़िये थे झाडी में,
फिरसे बच्ची की लाश मिलती है।

ये सनद रौशनी किताबों की,
होके अंधी हताश मिलती है।

रेत मिलती है तप रही तट पर,
प्यास को और प्यास मिलती है।

चढ़ती बोतल फटी फटी आंखें,
नब्ज मिलती न सांस मिलती है।

धूप पीकर 'कमल' को रंग मिला,
फिर जरा सी सुवास मिलती है।

कमल मानव, शाहजहांपुर

गजल

जिन बातों से दिल दुःख जाना लाजिम है।
क्या उन बातों को दोहराना लाजिम है।

वस्ल की खातिर कितना और सताओगे,
रोज सितम क्या हम पर ढाना लाजिम है।

गर कुछ पल हम साथ तुम्हारे रह लेंगे,
फिर किरदार से खुशबू आना लाजिम है।

हुस्ने बला पर शेर कहे हैं जब हमने,
गुलशन में गुल का शर्माना लाजिम है।

अपना हक माँगा है तुमसे भीख नहीं,
फेंके सिक्कों को ठुकराना लाजिम है।

विकास सोनी 'ऋतुराज'
शाहजहांपुर

सेहत का राज

मीरा जैन, उज्जैन

डॉ वर्तिका का माथा ठनका–'यह क्या, फिर यही फैक्ट्री , जब देखो तब इसी फैक्ट्री के लोग या उनके परिजन ही बीमार पड़ते है इसी के समकक्ष शहर में एक फैक्ट्री और भी है वहां के लोग तो कभी कभार ही इक्का– दुक्का आते हैं आखिर कारण क्या है? इसका कारण ज्ञात करने हेतु एक दिन डॉ कविता स्वयं ही निकल पड़ी दोनों फैक्ट्रियों की कार्यप्रणाली में अंतर जानने हेतु ताकि स्वस्थ रहने हेतु उचित समझाइश दी जा सके। वे देखकर आश्चर्यचकित थीं कि सुविधाएं एवं वातावरण मालिक का कार्ड में फैक्ट्री का नाम पढ़ते ही डॉ

व्यवहार, तनख्वाह आदि सब कुछ अनुकूल और लगभग समान, फिर क्या कारण हो सकता है ? इसी उधेड़बुन मे वह कामगारों के क्वाटर्स तक पहुंच गई जो फैक्ट्री मालिकों के द्वारा दिए गए थे उन क्वाटरों में भी कहीं कोई अंतर नजर नहीं आया फिर आगे पीछे घूम कर देखा, तब डा. वर्तिका को समझ में आया कि दूसरे फैक्ट्री के कामगारो वह उनके परिजनों के स्वस्थ रहने की वजह क्या है, फर्क मात्र इतना था कि– उन क्वाटरों के पीछे ढेर सारे फलादि वृक्ष, खाली भूमि में साग सब्जियां तथा कुछ गायें भी बंधी हुई थी।

दीदार

तुमसे इश्क की क्या बात करूँ।
नैनो को जगा रक्खा है।
पलकों को बिछा रखा है आसमाँ तक।
कि चाँद का कैसे दीदार करूँ।

हो सके तो गली के मोड़ तक आ जाना।
पूर्ण स्वतंत्र कर दूंगी नैनो को।
बस तुम आज मेरा सारा बकाया।
सूद समेत हिसाब चुका देना।

परिभाषा मुझे आती नहीं इश्क कि।
तुम हठी से फिर क्या बात करूँ।
तुम क्या जानो इश्क की मुश्किलें।
कभी तो मुझसे मिलकर बात करो।

शायद कुछ ना कह पाऊँ तुमसे मिलकर।
तुम्ही नैनो से बात करो।
आज फिर दिल बहुत धड़क रहा है
तुम्हारे लिए।
हो सके तो तेज धूप में भी,
आज चाँद का दीदार करा दो।

ख्वाहिश बस इतनी है।
तुम मेरे दरमियां रहो।
इधर उधर की खूब बातें हो।
सब्र का बांध टूटे।
तुम्हारे कंधे पर सिर रखकर।
नैनों से खूब बरसात हो।

राजश्री सिन्हा
सोफिया (बुल्गारिया)

दस कहानियों का रंग–बिरंगा सुन्दर गुलदस्ता है–खूबसूरत मोड़

पुस्तक समीक्षा

सूर्यदीप कुशवाहा
समीक्षक
वाराणसी

लेखक का अनुभव का परिपक्वता। दिखता है। संग्रह की शीर्षक कहानी खूबसूरत मोड़ में पात्र सत्यजीत और रेवती के माध्यम से गुजरे वक्त की वर्तमान में भेंट के कई मानवीय भावनाओं व संवेदनाओं को रेखांकित करता है। दस कहानियों का एक रंग–बिरंगा सुन्दर गुलदस्ता है जिसकी रोचक भाषा दिलचस्प बना देती है। कोई भी कहानी बनावटी नहीं लगती। सभी कहानियां पाठक से कुछ कहती प्रतीत होती हैं।

कहानियों में संवाद बखूबी चलचित्र सा दिखाने की कोशिश में कामयाब है। चुहलबाजीयुक्त बातचीत से कहानी पढ़ते समय हास्य चेहरे पर तैर जाती है।हर कहानी के रेखाचित्र कहानी को पढ़ने के लिए उत्सुकता पैदा करती है। इसके बाकि शीर्षक हैं –शास्त्रीय संगीत, सरनेम, खिड़की के उस पार, गुरुमंत्र, आदर्श शहरी, सौदा, छुट्टी का एक दिन, हस्बेमामूल और फैशन के इस नाजुक दौर में पढ़कर इनको गंभीरता से पाठक सोचता है। सामाजिक ताने–बाने को बड़े गहराई से शब्दों में पिरोया है। समाज के उन पहलुओं को लेखक रूबरू कराना चाहा है। सभी कहानियों में मर्म की अनुभूति हो रही है।

लेखक राम नगीना मौर्य की विशिष्टता है कि वे सरल वाक्य रचना, चुटीले शब्दों और प्रवाहमय हिंदी भाषा और कुछ अंग्रेजी भाषा के वाक्य इस्तेमाल से कहानियों को जैसे वास्तविकता के धरातल पर कठपुतली सा नचा देते हैं।जिससे पढ़ते समय आँखों के सामने जीवंत हो उठती हैं।वैसे इस संग्रह की सभी कहानियां अच्छी हैं। कहानी में मौजूद शाब्दिक खूबसूरती आपको पढ़ने के बाद महसूस होगी। जीवन के व्यापक अनुभव से निकली राम नगीना मौर्य की ये कहानियां चर्चा में जरूर होंगी।

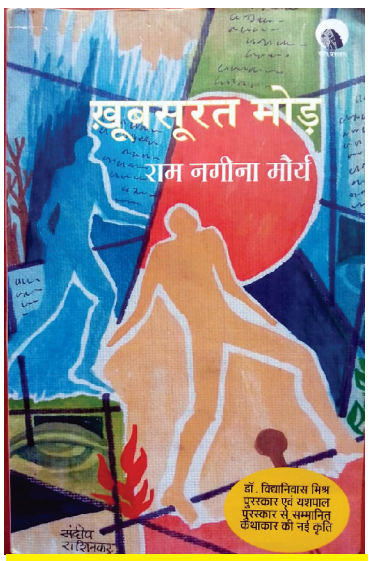

कहानी संग्रह : खूबसूरत मोड़
कथाकार : राम नगीना मौर्य
प्रकाशक : रश्मि प्रकाशन लखनऊ
मूल्य : 225/– रुपए

गज़ल

ढूँढता था नशा शराब में मैं।
डूबकर रह गया शराब में मैं।

आइना जिस तरह दिखाता है,
उस तरह ही दिखा शराब में मैं।

तू जो आता सँवर गया होता,
क्यों सुकूँ खोजता शराब में मैं।

जानते हैं मुझे ये मैखाने ,
उम्र भर हूँ तपा शराब में मैं।

फेर ली है निगाह जब तूने,
ले रहा हूँ मजा शराब में मैं।

मौत आएगी तो निपट लूँगा,
जी रहा हूँ मुआ शराब में मैं।

'ज्ञान' रुसवाइयाँ मिलीं जो भी,
घोलकर पी चुका शराब में मैं।

ज्ञानेन्द्र मोहन 'ज्ञान'
शाहजहांपुर

गीतिका

साहिलो पे तूफानो का
रोज ही आना -जाना है
ऐसी छोटी बातो से
फिर क्यो घबराना है
माना वक्त बुरा है मेरा
पर ये भी गुजर जाना है
मेरी मंजिल आसमाँ है
जमाने को दिखाना है

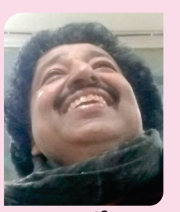

मलय चक्रवर्ती, लखनऊ

प्लीज मुझे टच मत करो...मैं इस लायक नहीं हूं!

किन्नर लड़के से करा दिया युवती का विवाह

लोक पहल

हरदोई। उत्तर प्रदेश में एक हैरतअंगेज विवाह का मामला सामने आया है। यहां एक अच्छी भली युवती का विवाह किन्नर से हो गया। जब युवती को इस बारे में पता चला तो उसने इसकी शिकायत पुलिस से की है। मामला उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले का है। जहां शादी के बाद ससुराल पहुंची युवती को उस समय झटका लगा जब उसे पता चला कि पति किन्नर है। इतना ही नहीं उसका आरोप है कि सास ने उसे जेठ के साथ संबंध बनाने के लिए कहा किसी तरह से उसने अपने परिजनों को पूरी बात बताई। इसके बाद परिजन उसे मायके ले गए। इस मामले में युवती ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

किसी फिल्मी स्टोरी जैसी लगने वाली यह सच्ची घटना हरदोई शहर कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ले की है। यहां रहने वाली एक युवती पुलिस के पास पहुंची और उसने तहरीर दी, जिसमें उसने गंभीर आरोप लगाए। युवती का कहना है कि 10 फरवरी 2023 को हिंदू रीति–रिवाज से उसकी शादी शाहजहांपुर निवासी लड़के से हुई थी। शादी में हैसियत के हिसाब से चीजें भी दी गई थी। शादी तय होने से पहले उसे बताया गया था कि दुल्हा और उसका भाई दोनों इंजीनियर हैं। जब विदा होकर ससुराल पहुंची तो सुहागरात में पति बहाना बनाकर कमरे के बाहर ही सो गया। कई दिनों तक वो ऐसा ही करता रहा। इस पर उसने जानकारी की तो पता चला कि वो किन्नर ह। ये बात छुपाकर उसके बहनोई, भाई और मां ने शादी कराई थी.

युवती का कहना है, 'मैं ससुराल में 15 दिन रुकी, जब पता चला कि पति किन्नर है तो मैंने बात करने की कोशिश की। मैंने उनको टच किया तो उन्होंने कहा कि हम इस लायक नहीं हैं। युवती का कहना है कि जब उसने इस संबंध में सास से शिकायत की तो उसने अपने बड़े बेटे के साथ शारीरिक संबंध बनाने की बात कही। साथ ही पति, जेठ और बहनोई को लेकर कमरे में गई।

इस पूरे मामले में एएसपी हरदोई दुर्गेश कुमार सिंह ने बताया कि युवती ने पति, सास, ससुर, जेठ, जेठानी पर प्रताड़ित करने और धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। इस संबंध में प्रार्थना पत्र दिया है, जिसकी जांच की जा रही है. जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर कार्रवाई की जाएगी.

सड़कों को सौन्दर्यीकरण यूपी में बनेंगे छह सुपर स्टेट हाईवे

लोक पहल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बढ़ते ट्रैफिक को देखते हुए सुपर स्टेट हाईवे (एसएसएच) बनाए जाएंगे। ये परियोजनाएं भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की मदद से निर्मित की जाएंगी। ट्रैफिक को देखते हुए इनकी कुल चौड़ाई 4–6 लेन होगी। सुपर स्टेट हाईवे पर टोल भी लिया जाएगा।

इससे होने वाली आय का एक हिस्सा ग्रामीण मार्गों के विकास पर खर्च होगा। यानी, इस योजना के लागू होने पर ग्रामीण सड़कों के लिए भी पर्याप्त राशि उपलब्ध हो सकेगी। इस योजना में पहले चरण में 1000–1500 किमी स्टेट हाईवे शामिल किए जाएंगे। इसके लिए यूपी पीडब्ल्यूडी और एनएचएआई के बीच शीघ्र ही एमओयू किए जाने की तैयारी है। वर्तमान में नई सड़कों को नेशनल हाईवे का दर्जा दिए जाने पर रोक है। इसलिए एसएसएच विकसित करने का फैसला किया गया है।

पीडब्ल्यूडी विभागाध्यक्ष को निर्देश दिए गए हैं कि वे उन स्टेट हाईवे को चिह्नित करें, जिन्हें एसएसएच का दर्जा दिया जा सकता है। ट्रैफिक के लिहाज से इन सड़कों को दो श्रेणियों में बांटा जाएगा। एक, जहां पीसीयू (पैसेंजर कार यूनिट) 20–30 हजार के बीच है और दो, जहां पीसीयू 30 हजार से ज्यादा है। आवश्यकता के अनुसार, इन सड़कों को 4 लेन या उससे अधिक लेन में चौड़ा किया जाएगा।

राज्य सरकार जमीन उपलब्ध कराने के साथ ही यूटिलिटी शिफ्टिंग और सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करने की जिम्मेदारी

उठाएगी। वहीं, एनएचएआई इन्हें हैम (हाईब्रिड एन्युटी मॉडल) या ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट, कंस्ट्रक्शन) मोड में निर्माण का इंतजाम करेगा। हैम मोड में कुल लागत का 40 फीसदी एनएचएआई देता है, जबकि ईपीसी में पूरी लागत एनएचएआई ही देता है।

निर्माण के बाद 25 साल तक यह सड़क एनएचएआई के पास ही रहेगी और उसके बाद इसे उत्तर प्रदेश सरकार के लिए हैंडओवर कर दिया जाएगा। शुरुआती 25 साल एनएचएआई टोल वसूलेगा। एमओयू के अनुसार, जरूरी सेवा और वित्तीय चार्ज काटने के बाद जो राशि बचेगी, उसे यूपी पीडब्ल्यूडी के खाते में जमा किया जाएगा। इस राशि का इस्तेमाल केवल राज्य की ग्रामीण सड़कों के विकास पर हो सकेगा।

बेटी की शादी का बहाना क्या राजभर ने तलाशा नया राजनैतिक ठिकाना?

भाजपा दिग्गजों को जुटाकर राजभर ने दिखाई ताकत, नए गठबंधन की अटकलें

लोक पहल

लखनऊ। समाजवादी पार्टी से अलग होने के बाद सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर अब अपने नए राजनीतिक ठिकाने की तलाश में जुट गए है। माना जा रहा है कि उनका नया ठिकाना भारतीय जनता पार्टी हो सकती है। उनके बेटे की शादी में जुटे भाजपा नेताओं को देखकर यह माना जा रहा है कि राजभर अब भाजपा में अपनी जमीन तलाश कर रहे है। वाराणसी में सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर के छोटे बेटे अरुण की शादी सुर्खियों में रही, राजभर ने बेटे की शादी के बहाने समूचे प्रदेश को अपना राजनीतिक रसूख दिखाया। भाजपा से रिश्तों की डोर मजबूत करने की कवायद में जुटे राजभर के आवास पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी से लेकर उप्र सरकार के कई मंत्री, विधायक, सांसद, पूर्व मंत्री और पूर्व विधायक समेत दिग्गज नेता पहुंचे। सत्ता दल के नेताओं की आमद के बीच विपक्षी दलों के सूरमाओं की सक्रियता भी कम नहीं रही। पश्चिम से रालोद और पूर्वांचल में सपा के कद्दावर नेताओं का जमावड़ा फत्तेहपुर गांव स्थित आवास पर लगा रहा। राजनीतिक दिग्गजों ने नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद दिया तो साथ ही सियासी नब्ज भी टटोली। राजभर को

आशीर्वाद समारोह में नेताओं से 2024 में मजबूती भागीदारी का इशारा भी किया। हालांकि इसके बाद ही ओपी राजभर के नए सियासी गठबंधन की चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया।

सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर के आवास पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही, राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी अरुण–निकिता को आशीर्वाद देने पहुंचे। विधानसभा में प्रतिपक्ष के पूर्व नेता रामगोविंद चौधरी, गाजीपुर के जमानियां विधायक ओमप्रकाश सिंह, जंगीपुर विधायक वीरेंद्र यादव, मुहम्मदाबाद विधायक मन्नु अंसारी भी पहुंचे। आरएलडी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे, राष्ट्रीय प्रवक्ता रोहित अग्रवाल पहुंचे।

उप्र के 2017 चुनाव गठबंधन में शामिल रही सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के फिर से बीजेपी के नेतृत्व वाली एनडीए में शामिल होने की संभावनाओं पर जमकर चर्चा हुई। यह तो तय है कि भूपेंद्र सिंह चौधरी और ओमप्रकाश राजभर की मुलाकात जल्द ही कोई सियासी गुल खिलाएगी।

देश व प्रदेश
में तेजी से बढ़ते समाचार पत्र
लोक पहल
में खबरों व विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
9935740205

साइकिल यात्रा पर निकले संतोष कुमार का नगर मजिस्ट्रेट ने किया स्वागत

लोक पहल

झांसी। विश्व साईकिल दिवस पर कश्मीर से कन्याकुमारी कि संकल्प यात्रा झांसी पहुंची। साइकिल यात्री संतोष कुमार ने प्रधानमंत्री के लाइफ मिशन, पर्यावरण संरक्षण, स्वस्थ इंडिया फिट इंडिया विजन के प्रभावित होकर प्रारम्भ की है।

नगर के प्रारंभ में यात्रा का स्वागत प्रधानमंत्री कौशल केंद्र पर आईसेक्ट के रीजनल मैनेजर विकास श्रीवास्तव, सेंटर हेड संदीप साहू, स्टाफ अशफाक खान, दीक्षा, तनु, श्रद्धा सिंह, राकेश साहू व सचिन दिवाकर ने किया। छात्र छात्राओं से मुखातिब होने के बाद रैली बुंदेलखंड डिग्री कालेज होते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंची। यात्रा का स्वागत सिटी मजिस्ट्रेट अंकुर श्रीवास्तव ने पुष्पगुच्छ के साथ वीरांगना लक्ष्मीबाई धातु की मूर्ति देकर किया। सभाषद सुशीला गोकुल दुबे, जहीर उद्दीन, नितिन शर्मा, जुहेब उद्दीन ने भी पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

सिटी मजिस्ट्रेट अंकुर श्रीवास्तव ने यात्रा और उद्देश्य को सराहते हुए, सेफ्टी टिप्स दी ताकि आगे की यात्रा सुगम हो सके, साथ ही इसे विश्वविधालयो के एक बड़े क्लस्टर में करने की भी सलाह दी। अंत में सिटी मजिस्ट्रेट अंकुर श्रीवास्तव, विकास श्रीवास्तव सभाषद सुशीला गोकुल दुबे, संतोष कुमार गुप्ता, छात्र छात्राएं तथा आईसेक्ट परिवार के सभी सदस्यों ने यात्रा के लिए शुभकामनाएं

मिशन 2024: 27 को बनारस से कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे पीएम मोदी

लोक पहल

वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अपनी तैयारियां तेज कर दी है। पार्टी जहां आम लोगों के साथ सीधा संवाद कायम करने के लिए कई कार्यक्रमों पर काम कर रही है वहीं पार्टी कार्यकर्ताओं में भी जोश भरने के लिए तैयारियां चल रही है। इसी के चलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 जून को वाराणसी सहित देशभर के भाजपा कार्यकर्ताओं को वर्चुअली संबोधित करेंगे। प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल ने तैयारियों की जानकारी ली। वाराणसी आए धर्मपाल ने कहा कि मंडल स्तर पर एलईडी स्क्रीन लगाई जाएगी। इसके जरिये प्रधानमंत्री के संबोधन का सजीव प्रसारण किया जाएगा। दूसरी तरफ, केंद्र सरकार की उपलब्धियां गिनाने के लिए केंद्रीय मंत्री भी मोर्चा संभालेंगे। 20 जून को वाराणसी के साथ ही मछलीशहर, भदोही और जौनपुर में जनसभाएं होंगी। जनसभा स्थल का चयन जल्द ही किया जाएगा।

भाजपा मिशन 2024 की तैयारी में जुट गई है। इसी सिलसिले में प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल वाराणसी आए और रोहिनया स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पार्टी का महासंपर्क अभियान 30 जून तक चलेगा। इससे पहले ही प्रधानमंत्री का वर्चुअल संबोधन होना है। वह कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे और सरकार की उपलब्धियों के साथ जनता के बीच जाने का आह्वान करेंगे।

हमेशा प्राकृतिक सन-स्क्रीन का करें प्रयोग

बेंजीन एक अत्यधिक ज्वलनशील और वाष्पशील रासायनिक यौगिक है जो कच्चे तेल, गैसोलीन और सिगरेट के धुएं में पाया जाता रहा है। कोलै इंटरनेशनल के अध्यक्ष और शोधकर्ता, डर्मेटोलॉजिक सर्जन, लॉरा कोहेन कहती हैं, इस तरह के उत्पादों में ऐसे रसायनों का इस्तेमाल कई प्रकार से नुकसानदायक हो सकता है। हमेशा प्राकृतिक सन-स्क्रीन का ही प्रयोग किया जाना चाहिए।

इनमें होता है बेंजीन नामक रसायन

शोधकर्ताओं ने दावा किया है कि करीब 78 सनस्क्रीन और सन-केयर उत्पादों में बेंजीन नामक एक अत्यधिक जहरीला रसायन पाया गया है जो कैंसर कारक हो सकता है। इस रसायन के संपर्क में आने के कारण कैंसर विकसित होने का जोखिम काफी बढ़ सकता है। यदि आप इसे निगलते हैं, छूते हैं या इसमें सांस लेते हैं तो यह आपको नुकसान पहुंचा सकता है। यह रसायन रूम टंप्रेचर पर आसानी से वाष्पित हो जाता है और पानी में घुल सकता है। डिटर्जेंट, दवाओं या कीटनाशकों के बाद अब सन-केयर उत्पादों में भी इसकी पुष्टि की गई है जिसको लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने अलर्ट किया है।

धूप से बचाव के लिए सन-केयर प्रोडट्स हैं खतरनाक

गर्मियों के इस मौसम में तेज धूप से बचाव करते रहना बहुत आवश्यक है। धूप न सिर्फ हीट स्ट्रोक जैसी समस्याओं का कारण बन सकती है साथ ही इसके अधिक संपर्क में रहने के कारण त्वचा की समस्याओं के बढ़ने का खतरा भी रहता है। कुछ अध्ययन बताते हैं कि धूप से निकलने वाली अल्ट्रा-वायलट रेज के अधिक संपर्क में रहने वाले लोगों में स्किन कैंसर का खतरा हो सकता है। ऐसे में त्वचा को अधिक धूप से बचाने के उपाय किए जाने चाहिए। कुछ लोग इसके लिए सन-केयर प्रोडेक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। क्या सन-केयर प्रोडेक्ट्स वास्तव में त्वचा के लिए फायदेमंद हैं? यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने इन उत्पादों में कैंसर कारक रसायनों के होने का दावा किया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इन रसायनों के संपर्क के कारण कैंसर का जोखिम हो सकता है, इसलिए सावधानी पूर्वक ही ऐसे किसी उत्पाद का प्रयोग किया जाना चाहिए।

बेंजीन क ई प्रक ार से होता है हानिकारक

आप कितने समय तक इसके संपर्क में हैं, उसके आधार पर इसके शरीर में दुष्प्रभावों का अंदाजा लगाया गया। बेंजीन, त्वचा के साथ रिएशन करके कई तरह की समस्याओं का कारक हो सकता है साथ ही दीर्घकालिक रूप में इससे कैंसर का जोखिम भी हो सकता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि बेंजीन का उच्च स्तर ल्यूकेमिया और अन्य रक्त से संबंधित कैंसर का कारण बन सकता है। बेंजीन आपकी कोशिकाओं के काम करने के तरीके में हस्तक्षेप करता है। यह रोगाणु से लड़ने वाले एंटीबॉडी और सफेद रक्त कोशिकाओं को क्षति पहुंचाकर आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को नुकसान पहुंचा सकता है। शोधकर्ता कहते हैं इस तरह के उत्पादों से बचें, खरीदते समय जरूर जांच करें कहीं आपके उत्पाद में ये रसायन तो नहीं।

धूप से ऐसे करें बचाव

धूप में कई घंटे रहने के दौरान छाया की तलाश करें, सुरक्षात्मक कपड़े पहनें (जैसे, चौड़ी-चौड़ी टोपी, लंबी बाजू की शर्ट और धूप का चश्मा), और जब भी संभव हो सीधे धूप में निकलने को सीमित करें।

देखो हँस मत देना

अस्पताल में नर्स की आंखों में आंखे डालकर रोमांटिक अंदाज में सोनू बोला... सोनू- आई लव यू, तुमने मेरा दिल चुरा लिया है। नर्स शर्माकर बोली- चल झूठे दिल को तो हाथ भी नहीं लगाया है, हमने तो सिर्फ किडनी चुराई है। सोनू बेहोश।

पति 12 साल बाद वो जेल से छूटा मैले कुचैले कपड़ों में बहुत थका हुआ घर पहुंचा। घर पहुंचते ही बीबी चिल्लाई-कहां घूम रहे थे इतनी देर? आपकी रिहाई तो 2 घंटे पहले ही हो गई थी ना? वो आदमी वापस जेल चला गया।

पत्नी- 'पहले मेरा फिगर पेप्सी की बोतल की तरह था' पति- 'वो तो अभी भी है' पत्नी खुश होकर- 'सच' पति- 'हां, पहले 300 एमएल की थीं, अब 2 लीटर की है!!!'

रमेश (नौकर से)- जरा देख तो बाहर सूरज निकला या नहीं? नौकर- बाहर तो अंधेरा है। संता- अरे! टॉर्च जलाकर देख ले कामचोर।

पत्नी- सुनो, आजकल चोरियां बहुत होने लगी हैं। धोबी ने हमारे दो तौलिया चुरा लिए हैं। पति- कौन से तौलिये? पत्नी- अरे! वही जो हम मनाली के होटल से उठाकर लाए थे।

कहानी | किसी को जज ना करें

एक 25 साल की लड़की अपने पिता जी के साथ ट्रेन में सफर कर रही थी। तभी वह खिड़की से बहार देखते हुए उसने जोर से चिल्लाया पिता जी देखो ये पेड़ पीछे जा रहे है। पिता जी मुस्कुरा दिए। इस बात पर पास में बैठे लोगो ने देखा लड़की इतनी बड़ी है और इसका व्यवहार बच्चों के जैसा है। लोगों ने सोचा शायद ये लड़की मानसिक रूप से कमजोर है। तभी तो वह लड़की ट्रेन में बैठकर पेड़ पीछे जाने पर चिल्लाई। तभी एक बार फिर लड़की चिल्लाई और बोली पिता जी देखो ये बादल हमारे साथ दौड़ रहे हैं। यह सब देखकर तभी पास बैठे लोगो में से एक ने लड़की के पिता जी से कहा। माफ करिये पर आप अपनी लड़की का इलाज किसी अच्छे डॉटर से यों नहीं कराते हैं? लड़की के पिता मुस्कुराये और उस व्यक्ति को जवाब देते हुए कहा कि हां मैंने अपनी बेटी का इलाज करवा लिया है और अभी हम लोग हॉस्पिटल से ही आ रहे है। पिता जी ने उस व्यक्ति को बताया कि मेरी बेटी जन्म से ही अंधी थी। हॉस्पिटल में उसके इलाज के बाद आज ही उसने ये दुनिया देखना चालू किया है। इस लिए वह यह सब देखकर इतना उत्साहित है।

कहानी से सीख- कभी भी किसी के बारे में जानने से पहले उसे जज नहीं करना चाहिए ोंकि जरूरी नहीं जो हम देख रहे हैं वही सच हो, सच कुछ भी हो सकता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा यह सप्ताह

मेष

आज व्यापार के मामलों में आपके मन में नए-नए विचार आयेंगे। किसी काम में मित्रों की सलाह फायदेमंद साबित होगी। पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे।

वृषभ

व्यावसायिक सन्दर्भ में आज का दिन एक नए उद्यम के साथ शुरू हो सकता है या आप नए सौदे को अंतिम रूप दे सकते हैं, जो भविष्य में अति लाभदायक सिद्ध होगा।

मिथुन

आज आपकी इच्छाओं की पूर्ति होगी। बिजनेस के सिलसिले में आपको विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है। आपकी यात्रा सुखद रहेगी।

कर्क

महीने के दौरान पेशेवर यात्राएं अधिक हो सकती हैं। आपको अपने वरिष्ठों और आधिकारिक लोगों से सहायता, प्रशंसा और पुरस्कार प्राप्त होगा।

सिंह

आज पारिवारिक कामों को करने में घर के सदस्य का सहयोग प्राप्त होगा। अपने दोस्तों से निजी समस्याओं को शेयर करने से बचना चाहिए।

कन्या

किसी पुरानी बात को लेकर सहयोगियों से बहस हो सकती है, अतः सावधानी से काम लेकर विवादों को टालें। निजी जीवन में कुछ परेशानियां रह सकती हैं।

तुला

आज आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव रहेगा। काम का बोझ अधिक हो सकता है, लेकिन किसी काम के लिए जितना ज्यादा प्रयास करेंगे, काम उतना ही बेहतर तरीके से होगा।

वृश्चिक

इस समय आप अपनी कार्यशैली में नया प्रयोग कर सकते हैं। आपके कार्यों को प्रशंसा मिलेगी। आपके काम सफल होंगे। किन्तु आपको थोड़ी सी सावधानी बरतनी होगी।

धनु

आज आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा। आपको यात्रा से लाभ होगा। परिवार में सभी सदस्यों के साथ आपसी सामंजस्य बना रहेगा।

मकर

आज आप अपना काम बहुत सलीके से करेंगे। आपकी व्यावसायिक योग्यता विकसित होगी। नये उद्यम में सफलता मिलेगी। आर्थिक लाभ शुभ रहेगा।

कुंभ

आज परिवार वालों का पूर्ण स्नेह और सहयोग मिलेगा। आज आपके कुछ मित्र मददगार साबित होंगे। ऑफिस में आपके काम की प्रशंसा होगी। आपकी कार्यक्षमता में बढ़ोतरी होगी।

मीन

आज का दिन आपके लिए मिश्रित प्रभावदायक है। इस समय आप जो भी बोलें बहुत सोच-समझ कर बोलें। कार्यस्थल पर जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें।

स्वामी शुकदेवानन्द विधि महाविद्यालय

नैक बी+

मुमुक्षु आश्रम, शाहजहाँपुर

प्रवेश का स्वर्णिम अवसर

विधि स्नातक पाठ्यक्रम

LL.B. पंचवर्षीय (12वीं उत्तीर्ण छात्र कम से कम 45 प्रतिशत)

LL.B. त्रिवर्षीय (स्नातक आदि उत्तीर्ण छात्र कम से कम 45 प्रतिशत)

विधि स्नातकोत्तर (पी.जी.) पाठ्यक्रम

LL.M. द्विवर्षीय (विधि स्नातक उत्तीर्ण छात्र)

विधि 100 प्रतिशत रोजगार युक्त पाठ्यक्रम है।
योग्य और अनुभवी प्राध्यापकों
द्वारा नियमित कक्षाओं का संचालन।

विधि पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु
नामांकन के लिए प्रत्येक कार्य दिवस
पर प्रातः 10:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक
महाविद्यालय कार्यालय में सम्पर्क करें।

विधि पाठ्यक्रमों में स्थान सीमित होने के कारण
प्रवेशार्थियों को चाहिए कि वे यथाशीघ्र
प्रवेश प्राप्त करें।

विस्तृत जानकारी हेतु महाविद्यालय के सम्पर्क सूत्र -

05842-796171, 796174, 9559913013, 9453721669
9005182809, 7007902156, 9473938629, 9415703943

शीघ्रता करें - स्थान सीमित

(विधि पंचवर्षीय पाठ्यक्रम के लिए किसी प्रवेश परीक्षा की आवश्यकता नहीं, सीधे प्रवेश प्रारम्भ)

प्राचार्यः स्वामी शुकदेवानन्द विधि महाविद्यालय, शाहजहाँपुर

लोक पहल, राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक, मुमुक्षु आश्रम, शाहजहॉपुर, प्रधान संपादक अरूण पाराशरी

लोक पहल हिन्दी साप्ताहिक स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. अवनीश कुमार मिश्रा द्वारा शाहजहॉपुर प्रिन्टर्स जज साहब वाली गली, तारीन बहादुरगंज जिला शाहजहॉपुर 242001 से मुद्रित व 160 रोशनगंज लक्ष्मी राईस मिल, शाहजहॉपुर 242001 उ0प्र से प्रकाशित। संपादक–सुयश सिन्हा मो. 9935740205 E-mail : lokpahalspn@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र शाहजहॉपुर होगा।